2 0 1 8

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(Bhaktikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'मैथिल कोकिल' किसकी उपाधि है?

(ख) त्रिपुरारि का अर्थ क्या है?

(ग) पद्मावती कहाँ की राजकुमारी है?

(घ) कबीरदास की भाषा का नाम क्या है?

(ङ) सूरदास के इष्टदेव का नाम लिखिए।

(च) जायसी का पूरा नाम क्या है?

(छ) 'विनय-पत्रिका' के रचनाकार कौन हैं?

(ज) कवि ने किसे 'पतितपावन' कहा है?

(झ) 'प्रेमवाटिका' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ञ) दादू-पंथ के प्रवर्तक कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 2×5=10

(क) विद्यापति ने कितनी भाषा में काव्य-रचना की है? नामोल्लेख कीजिए।

(ख) 'माधव हम परिनाम निरासा' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) कबीर ने किसे महाठगिनी कहा है?

(घ) "मन पछितैंहै अवसर बीते।" कवि तुलसीदास ने ऐसा क्यों कहा है?

(ङ) मीराबाई की दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'पसुपति भामिनी माया'—यहाँ पसुपति कौन है? कवि ने देवी के किस रूप की वंदना की है?

(ख) आषाढ़ के महीने में नागमती की विरहावस्था कैसी है?

(ग) "डगमग छांडि दे मन बौरा।" कबीरदास क्या कहना चाहते हैं?

(घ) भरत-विनय प्रसंग के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) दादूदयाल पर टिप्पणी लिखिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै म्रिग ढूँढ़ै बन माँहिं।
ऐसे घटि घटि राम है दुनिया देखै नाहिं॥

अथवा

जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।
यह ब्योपार तिहारो ऊधो ऐसोई फिरि जैहै।
जापै लै आयो हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने मुँह खैहे।

(ख) जाउँ कहाँ तजि चरण तुम्हारे?
काको नाम पतितपावन जग केहि अति दीन पियारे?
कौने देव बराइ बिरद हित हठि हठि अधम उधारे?
खग मृग ब्याध पषान बिटप जड़ जबन कवन सुर तारे?

अथवा

जय जय भैरवि असुर-भयाउनि
पसुपति-भामिनी माया।
सहज सुमति बर दिअओ गोसाउनि
अनुगति गति तुअ पाया।

5. विद्यापति का प्रतिपाद्य क्या है—भक्ति अथवा शृंगार? सतर्क उत्तर दीजिए। 10

अथवा

नागमति विरह-वर्णन के बारे में लिखिए।

6. सूरदास के वात्सल्य-वर्णन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना की चर्चा कीजिए।

★★★